ये अव्यक्त इशारे

रुहानी रॉयल्टी और प्युरिटी की पर्सनैलिटी धारण करो

8-05-2025

ब्राह्मणों की लाइफ, जीवन का जीय-दान पवित्रता है। आदि-अनादि स्वरूप ही पवित्रता है। जब स्मृति आ गई कि मैं अनादि-आदि पवित्र आत्मा हूँ। स्मृति आना अर्थात् पवित्रता की समर्थी आना। स्मृति स्वरूप, समर्थ स्वरूप आत्मायें निज़ी पवित्र संस्कार वाली हैं। तो निज़ी संस्कारों को इमर्ज कर इस पवित्रता की पर्सनैलिटी को धारण करो।

Adopt the personality of spiritual royalty and purity.

The lives of Brahmins and the donation of life is purity. The original and eternal form is purity. When youare aware that you are originally a pure and eternal soul, that awareness means that you too have the power ofpurity. Souls who are embodiments of remembrance and embodiments of power are souls with the originalsanskars of purity. Therefore, make your original sanskars emerge and imbibe the personality of purity.